

**असाधार**ण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

## प्राधिकार से प्रकाशिस PUBLISHED BY AUTHORITY

**सं∘** 338]

नई विल्ली, सोमवार, जुलाई 21, 1980/आषाढ़ 30, 1902

No. 338)

NEW DELHI, MONDAY, JULY 21, 1980/ASADHA 30, 1902

## इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed us a separate compilation

## उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

द्वादेश

नई दिल्ली, 21 जुलाई, 1980

का० आ० 556(आ):—भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग श्रीर नागरिक पूर्ति मंत्रालय (श्रीद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० 375(आ). तारीख 22 जुलाई, 1975 द्वारा (जिसे इसमें इसके पण्चात् उक्त श्रादेण कहा गया है) मैससं ग्लूकानेट लि०, कलकत्ता नामक श्रीद्योगिक उपक्रम के प्रबंध को उक्त श्रादेश में निदिष्ट व्यक्तियों के निकाय ने 21 जुलाई, 1977 तक जिसमें यह तारीख भी गप्पिनित है, दो वर्ष की श्रवंध के लिए ग्रहण कर लिया था ;

श्रीर भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (श्रीयोगिक विकास विभाग) के श्रादेश संख्या का० श्रा० 405(श्र), नारीख 20 जून, 1977 हारा उक्त श्रादेश को 21 जुलाई, 1979 तक की, जिसमें यह नारीख भी सम्मिलिस है, दो वर्ष की श्रीर श्रयधि के लिए बढ़ा दिया गया था:

श्रीर भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (श्रीद्योगिक विकास विभाग) के भ्रादेश मं० का० आ० 406(श्र), तारीख 16 जुलाई, 1979 हारा उक्त आदेश की कालाश्रीय 21 जुलाई, 1980 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है एक वर्ष की श्रीर भ्रवधि के लिए बढ़ा दी गई थी;

श्रीर केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लीकहित में यह समीवीन है कि उक्त श्रीबांगिक उपक्रम का प्रबन्ध उक्त व्यक्तियों के निकाय बारा 21 जुलाई, 1981 तक की, जिसमें यह तारीख़ भी सम्मिलित है, एक वर्ष की श्रीर श्रवधि तक जारी रखा जाना चाहिए ;

अन , केन्द्रीय सरकार, उद्योग (निकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, निवेश देती है कि उक्त आदेग 21 जुलाई, 1981 तक जिसमें यह नारीख भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि सक प्रभावी रहेगा ।

[फा॰ मं॰ 6(3)/79-मी **यु** एस**॰**]

बर्ग राय, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Deihi, the 21st July, 1980

S.O. 556(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. S.O. 375(E), dated the 22nd July, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the industrial undertaking known as Messrs Gluconate Limited, Calcutta, has been taken over

by the body of persons referred to in the said Order for a period of two years upto and inclusive of 21st July, 1977;

And whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 405(E), dated the 20th June, 1977, the duration of the said Order was extended for a further period of two years upto and inclusive of the 21st July, 1979;

And whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry, (Department of Industrial Development) No. S.O. 406(E), dated the 16th July, 1979, the duration of the Order was extended for a further period of one year upto and inclusive of 21st July, 1980;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said body of persons should continue for a further period of one year upto and inclusive of the 21st July, 1981;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of one year upto and inclusive of the 21st July, 1981.

[F. No. 6(3)/79-Cus.]B. ROY, Joint Secy.